

16 राजस्थान के संगीत घराने, कलाकार, गायन शैलियाँ व प्रसिद्ध संगीतज्ञ

- जयपुर के बीनकार संगीत घराने के प्रवर्तक कौन थे?
 - रज्जब अली खाँ
 - मनरंग (भूपत खाँ)
 - रमजान खाँ
 - अल्लादिया खाँ
- निम्न में से कौनसा संगीत ग्रंथ पुण्डरीक विट्ठल द्वारा रचित है?
 - रागमाला
 - रागमंजरी
 - नर्तन निर्णय
 - उक्त सभी
- राजस्थान में हवेली संगीत कहाँ का प्रसिद्ध है?
 - रामदेवरा
 - पुष्कर
 - नाथद्वारा
 - महावीर जी
- सदीक खाँ मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद (लोकरंग) कहाँ पर स्थित है?
 - जयपुर
 - बाड़मेर
 - उदयपुर
 - जैसलमेर
- ध्रुपद गायकी का आरंभ किसके शासनकाल में हुआ—
 - महाराजा अनूपसिंह
 - अलाउद्दीन खिलजी
 - राजा मानसिंह तोमर
 - महाराणा कुम्भा
- निम्न में से कौन मांड गायिका है?
 - गवरी देवी
 - रूकमा मांगणियार
 - पार्वती जोशी
 - नाथी देवी
- मांगणियार एवं लंगा गायन शैली के लोक कलाकारों को प्रख्यात करने का श्रेय किसे दिया जाता है?
 - देवीलाल सामर
 - जय नारायण व्यास
 - गणपत लाल डांगी
 - कोमल कोठारी
- निम्नलिखित में से किस संगीत का संबंध राजस्थान से नहीं है?
 - भोपा
 - लंगा
 - बाउल
 - मांगणियार
- निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के प्रसिद्ध गायक हैं?
 - तुलसीदास
 - जुबेन गर्ग
 - मामे खान
 - सुंदरराजन
- अधोलिखित को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए—

संगीत घराना	प्रवर्तक
1. डागरा घराना	1. बहराम खाँ
2. जयपुर घराना	2. मनरंग
3. मेवाती घराना	3. नजीर खाँ
4. अतरौली घराना	4. अल्लादिया खाँ

कूट :

 - केवल 2 सुमेलित है।
 - केवल 3 सुमेलित है।
 - केवल 1 व 2 सुमेलित है।
 - सभी सुमेलित है।
- निम्नलिखित में से कौनसी गायकी 'लोक गायकी' की श्रेणी में सम्मिलित नहीं है?
 - ढोला
 - ध्रुपद
 - आल्हा
 - बारहमासा
- कंठगायन की कला में प्रतिष्ठित किस कलाकार को 2012 में 'राजस्थान रत्न' से सम्मानित किया गया?
 - जगजीत सिंह
 - लक्ष्मी कुमारी चूडावत
 - कोमल कोठारी
 - पंडित उदय शंकर
- 'केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश' को कौन से राग में सर्वाधिक प्रसिद्ध मिली?
 - मांड
 - मारू
 - सोरठ
 - सिन्धु
- जोधपुर घराने के प्रवर्तक है?
 - रज्जब अली
 - भूपत खाँ
 - सदारंग खाँ
 - रमजान खान
- प्रसिद्ध संगीतज्ञ 'पुण्डरिक विट्ठल' जयपुर के किस शासक के आश्रित कवि थे?
 - सवाई प्रताप सिंह
 - सवाई जय सिंह
 - माधोसिंह प्रथम
 - माधोसिंह द्वितीय
- राजस्थान के किस प्रसिद्ध भजन गायक को 2020 में पद्मश्री दिया गया है?
 - मामे खान
 - मुन्ना मास्टर
 - गणपत लाल डांगी
 - सदीक खान
- निम्न में से असंगत युग्म है?

(1) लंगा गायकी	—	करौली
(2) मांड गायकी	—	जैसलमेर
(3) हवेली संगीत	—	राजसमंद
(4) ताल बंदी गायकी	—	सवाई माधोपुर
- ध्रुपद गायकी के चार खण्डों में से असंगत युग्म है?

(1) गोहरहारी वाणी	—	तानसेन
(2) डागुर वाणी	—	वृज्जुनंद डागर
(3) खण्डारवाणी	—	समोखन सिंह
(4) नौहरवाणी	—	गजसिंह
- बीनकार घराना के प्रवर्तक 'रज्जब अली बीनकार' किस शासक के दरबारी संगीतकार थे?

(1) सवाई रामसिंह द्वितीय	(2) मानसिंह
(3) गजसिंह	(4) रामसिंह
- 1965 के भारत पाक युद्ध के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ आकाशवाणी पर प्रसारित धारावाहिक 'लड़े सूरमा आज जी' किस संगीतज्ञ द्वारा रचित था?

(1) गणपत लाल डांगी	(2) पं. विश्व मोहन भट्ट
(3) जगजीत सिंह	(4) रेशमा
- अल्लाह जिलाई बाई के बारे में असत्य कथन है—
 - बचपन में इन्होंने उस्ताद हुसैन बक्श से शिक्षा ली थी।
 - महाराजा गंगासिंह ने 'बीकानेर म्यूजिकल स्कूल' में भर्ती करवाया।
 - इन्हें 1982 में 'पद्मश्री' सम्मान मिला।
 - 2010 में इन पर 5 रु. का डाकटिकट जारी हुआ।
- पं. विश्वमोहन भट्ट के बारे में असत्य कथन है—
 - ये जयपुर के प्रसिद्ध सितार वादक हैं।
 - इन्होंने नई राग 'गौरीम्मा' का सृजन किया।
 - इन्होंने 'मोहनवीणा' नाम का नया वाद्य यंत्र बनाया।
 - इन्हें 2017 में 'पद्मश्री' पुरस्कार दिया गया था।

23. निम्न में से असंगत युग्म है—
 (1) गजानन वर्मा - रतनगढ़ (चुरू)
 (2) रूकमा मांगणियार - बाड़मेर
 (3) गवरी देवी - पाली
 (4) कोमल कोठारी - उदयपुर
24. उदयपुर के किस प्रसिद्ध संगीतज्ञ को 'भारतीय बैले का जनक' कहा जाता है?
 (1) पं. उदयशंकर (2) गजानन वर्मा
 (3) जगजीत सिंह (4) मुन्ना मास्टर
25. किस शासक को 'अभिनव भरताचार्य' व 'नंदिकेश्वरवातार' की उपाधियाँ मिली?
 (1) महाराणा कुम्भा (2) सवाई प्रतापसिंह
 (3) बीसलदेव (4) हम्मीदेव चौहान
26. तबला व सितार का आविष्कारक किसे माना जाता है?
 (1) बदायूनी (2) गुलबदन बेगम
 (3) अबुल फजल (4) अमीर खुसरो
27. दिल्ली घराने के प्रवर्तक माने जाते हैं?
 (1) सदारंग खाँ/नियामत खाँ (2) रमजान खाँ/रज्जू खाँ
 (3) बहराम खाँ (4) सूरत सेन
28. रंगीला घराना कहाँ स्थित है?
 (1) जयपुर (2) जोधपुर
 (3) कोटा (4) उदयपुर
29. मेवाती घराने का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
 (1) अल्लादिया खाँ (2) साहब खाँ
 (3) किशोर अमोणकर (4) घग्घे नजीर खाँ
30. किस घराने को सितारियों का घराना भी कहते हैं—
 (1) अतरौली घराना (2) सहारणपुर घराना
 (3) पटियाला घराना (4) सेनिया घराना
31. निम्न में से असंगत युग्म है—
 (1) दिल्ली घराना - सदारंग खाँ
 (2) मथुरा घराना - महताब खाँ
 (3) जयपुर घराना - मनरंग खाँ
 (4) पटियाला घराना - तानसेन
32. निम्न में से असंगत युग्म है—
 (1) बीनकार घराना - रज्जब अली
 (2) अतरौली घराना - अल्लादिया
 (3) सेनिया घराना - तानसेन
 (4) डागर घराना - बहराम खाँ
33. मोगू बाई कुर्डीकर, केसर बाई केरगर, मंजी खाँ व भुर्जी खाँ का संबंध किस घराने से है?
 (1) उदयपुर (2) जोधपुर
 (3) सेनिया (4) जयपुर
34. निम्न में से ध्रुपद गायन शैली के चार खण्डों के बारे में असत्य कथन है?
 (1) गोहरहारी वाणी की उत्पत्ति ग्वालियर में हुई।
 (2) डागुर वाणी की उत्पत्ति उदयपुर में हुई।
 (3) खण्डार वाणी की उत्पत्ति उनियारा (टोंक) में हुई।
 (4) नौहरवाणी की उत्पत्ति जयपुर में हुई।
35. निम्न में से किसका मांड गायिकी से सम्बन्ध नहीं है?
 (1) गवरी देवी (2) जमीला बानो
 (3) बन्नो बेगम (4) मधुभट्ट तैलंग
36. निम्न में से असत्य कथन है—
 (1) मांगणियार गायकी में मुख्यतः कामायचा और खड़ताल वाद्य यंत्रों का प्रयोग होता है।
 (2) लंगा गायकी में मुख्यतः सारंगी का प्रयोग किया जाता है।
 (3) ताल बंदी गायकी में हारमोनियम व तबले का प्रयोग होता है।
 (4) फड़ गायकी में वाद्य यंत्र का प्रयोग निषेध है।
37. किस गायन शैली में भोपा कलाकार वाद्य यंत्र बजाता हुआ गाता है, तथा भोपी हाथ में लालटेन लिए हुए लकड़ी की डंडी से पर्दे के चित्रों को दिखाती है?
 (1) ताल बंदी (2) हवेली संगीत
 (3) फड़ गायकी (4) ध्रुपद गायकी
38. गुर्जरों की एक उपजाति, जो रावणहत्या बजाने के साथ राधाकृष्ण के गीत गाते हैं?
 (1) कानगुजरी (2) वैरागी
 (3) जोगी (4) भोपा
39. नाथ सम्प्रदाय के अनुयायी जो वैरागी जीवन व्यतीत करते हुए गोपीचंद भतृहरि के गीत गाते हुए घर-घर घुमकर अपना जीवन निर्वाह करते हैं?
 (1) जोगी (2) बैरागी
 (3) मिरासी (4) राणा
40. भवाई नृत्य में माहिर जाति भवाई की उत्पत्ति मानी जाती है?
 (1) ब्यावर (अजमेर) (2) केकड़ी (अजमेर)
 (3) किशनगढ़ (अजमेर) (4) बगरू (जयपुर)